CAFE/DAFE

1. एचआईवी और परिवार शिक्षा में प्रमाणपत्र (सीएएफई)

2. एचआईवी और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा (डीएएफई)

सत्रीय कार्य-2025

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

सत्रीय कार्य भेजने के लिए अनुसूची

प्रिय विद्यार्थी

हमें उम्मीद है कि आप सीएएफई (CAFE) /डीएएफई (DAFE) कार्यक्रम मार्गदर्शिका को ध्यानपूर्वक पढ़ चुके होंगे। हमने इस मार्गदर्शिका में यह समझाया है कि इग्नू को सत्र–समाप्ति की परीक्षा में पात्र बनने के लिए दिये गये सत्रीय कार्य को निश्चित समयाविधि में पूरा करना आवश्यक है। सीएएफई /डीएएफई के सभी सत्रीय कार्य अध्यापक चिन्हित सत्रीय कार्य (टीएमए) एवं सतत मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा है।

सीएएफई /डीएएफई के लिए जो सत्रीय कार्य हैं वे सभी पाठ्यक्रमों के लिए भी होंगे। आपको अलग–अलग सत्रीय कार्य, बीएफई–101, बीएफई–102 और बीएफईई–101 से बीएफईई–104 पर आधारित दिये जा रहे हैं। (जनवरी 2025 और जुलाई 2025 के लिए पंजीकृत छात्रों के लिए)। **सत्रीय कार्य लिखने से पहले, आप कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिये गये निर्देश और पाठ्यक्रम सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।** उत्तर लिखने से पहले सत्रीय कार्य सम्बन्धित निर्देशों को ध्यान से पढें। अगर आपको पाठ्यक्रम और सत्रीय कार्य से सम्बन्धित कोई सन्देह या समस्या है तो आप अपने अध्ययन केन्द्र में सम्बन्धित शैक्षिक सलाहकार से सम्पर्क करें।

आपसे अनुरोध है कि आप पहले पाठ्यक्रम सामग्री को पढें और तब उसके बाद सत्रीय कार्य को निर्देशों के अनुसार तैयार करें। आपके उत्तर, शाब्दिक सामग्री/ब्लॉक जो आपको स्वयं के सीखने के उद्देश्य से दी गयी है से शब्दशः नकल नहीं होना चाहिए। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिएं।** कृपया अपने सत्रीय कार्य के उत्तर दी गयी तारीख के पहले जो कि आपकी रसीद पर उल्लेखित है, अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा करें। आप से उम्मीद की जाती है कि आप सत्रीय कार्य की एक कार्बन कॉपी या फोटो कॉपी भविष्य में किसी भी सन्दर्भ या प्रयोग के लिए रखें।

कृपया परीक्षा में बैठने से पहले सत्रीय कार्य जमा करें। नवीनतम जानकारी के लिए इग्नू वेबसाइट देखें।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने के लिए आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ।

(डॉ. जी. महेश)
कार्यक्रम समन्वयक
ई मेल : gmahesh@ignou.ac.in
फोन : 011 – 29571694

परिवार शिक्षा पर ऐच्छिक पाठ्यक्रम (बीएफईई–102)

पाठ्यक्रम कोड : बीएफईई–102

अधिकतम अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग **500** शब्दों में) दीजिए।

   i) भारत में पारंपरिक पारिवारिक संरचनाओं पर शहरीकरण के प्रभाव का विश्लेषण करें। 20

   ii) स्वस्थ पारिवारिक संबंधों को बनाए रखने और संघर्षों को सुलझाने में संचार की भूमिका पर चर्चा करें। 20

   iii) पारिवारिक गतिशीलता और व्यक्तिगत विकास पर अंतर–पीढ़ीगत संबंधों के प्रभावों की जाँच करें।. 20

   iv) भारतीय समाज में परिवार नियोजन निर्णयों पर सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करें। 20

   v) बुजुर्ग पारिवारिक सदस्यों की देखभाल से जुड़ी चुनौतियों और उनसे निपटने की रणनीतियों की व्याख्या करें। 20

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं भी **तीन** का उत्तर लगभग **250** शब्दों में दीजिए।

   i) परिवार के भीतर भूमिका संघर्ष की अवधारणा का वर्णन करें और उदाहरण दें कि यह कैसे प्रकट होता है। 10

   ii) जोड़ों और उनके परिवारों पर बांझपन के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभावों की रूपरेखा तैयार करें। 10

   iii) वैवाहिक स्थिरता और संतुष्टि को बढ़ावा देने में विवाह पूर्व परामर्श के महत्व पर चर्चा करें। 10

   iv) भारत में पालन–पोषण की शैलियों और बच्चों के पालन–पोषण के तरीकों पर वैश्वीकरण के प्रभावों का विश्लेषण करें। 10

   v) परिवार के सदस्यों के बीच पहचान और निरंतरता की भावना को बढ़ावा देने में पारिवारिक रीति–रिवाजों और परंपराओं की भूमिका पर प्रकाश डालें। 10

3 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं भी **पांच** पर लगभग **150** शब्दों में लघु नोट लिखें।

   i) पिछले विवाहों से बच्चों पर पुनर्विवाह का प्रभाव 6

   ii) काम और पारिवारिक जीवन को संतुलित करने में दोहरी आय वाले परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियाँ 6

   iii) समकालीन भारतीय परिवारों में दादा–दादी की भूमिका 6

   iv) भाई–बहनों के बीच प्रतिद्वंद्विता का पारिवारिक सद्भाव पर प्रभाव 6

   v) तलाक के बाद प्रभावी सह–पालन–पोषण की रणनीतियाँ 6

   vi) पारिवारिक अंतःक्रियाओं और रिश्तों पर सोशल मीडिया का प्रभाव 6

   vii) पारिवारिक सेटिंग के भीतर घरेलू कामगारों के लिए कानूनी अधिकार और सुरक्षा 6

   viii) पितृभक्ति की अवधारणा और आधुनिक समाज में इसकी प्रासंगिकता 6